राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर (राज.)

पाठ्यक्रम

बी.ए. तृतीय वर्ष

हिन्दी साहित्य

पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर

आधुनिक काव्य

राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

पाठ्यक्रम

बी.ए (तृतीय वर्ष) - पंचम सेमेस्टर (हिंदी साहित्य)

आधुनिक काव्य

1 क्रेडिट-25 अंक

6 क्रेडिट-150 अंक

प्रश्न पत्र-120 अंक

आंतरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य (Objective)

1. विद्यार्थियों में आधुनिक काल के कवियों की रचनाओं के माध्यम से लेखन कौशल और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास |

2. आधुनिक कालीन साहित्य के अध्ययन के माध्यम से खड़ी बोली हिंदी तथा आधुनिक हिंदी भाषा के स्वरूप ओर विकास की जानकारी प्राप्त करना |

3. आधुनिक काव्य की नवीन शैलियों व काव्य धाराओं के विकास और आधुनिक कविता के विकास को समझना |

4. सृजनात्मक लेखन और विवेचनात्मक दृष्टि का विकास करना |

अधिगम प्रतिफल (learning outcomes)

1. आधुनिक कालीन महान कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के अध्ययन के माध्यम साहित्यिक कौशल का विकास |

2. विद्यार्थी आधुनिक काल की सामाजिक संस्कृतिक राजनैतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे |

3. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में आधुनिक कालीन कवियों के योगदान से परिचय तथा राष्ट्रीय भावना का विकास होगा |

4. आधुनिक काल के साहित्यिक अवदान, विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों आदि से अवगत होकर विभिन्न कला माध्यमों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे |

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्न पत्र 3 खंडों में विभक्त है
खंड- अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे | प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा | (कुल 20 अंक)

खंड- ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या के होंगे जिसमें दूसरी तीसरी बार ओर चौथी इकाई में निर्धारित पाठ में से कुल चार (4) काव्यांश (एक कवि से एक, आंतरिक विकल्प सहित) व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे | प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का होगा | (कुल 40 अंक)

खंड- स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8 व 9 निबंधात्मक प्रश्न होंगे जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) पूछा जाएगा | प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा | (कुल 60 अंक)

प्रथम इकाई

1. आधुनिक काल का इतिहास, परिस्थितियां (सामाजिक, संस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक) आधुनिक कविता का इतिहास |

2. आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृतियां, राष्ट्रीय काव्य धारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता |

3. काव्य बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फैंटेसी

द्वितीय इकाई

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'-

प्रिय प्रवास (षष्ठम सर्ग) पवन संदेश - रो रो चिंता सहित.....थी व्यथाएं

2. मैथिली शरण गुप्त-

साकेत - (नवम सर्ग से)
वेदने तू भली बनी..... पाऊँ प्राण - धनी।
विरह संग अभिसार भी ..... और एक संसार भी।

सखि, निरख नदी की धारा ..... नदी की धारा।

यशोधरा -

सिद्धि हेतु स्वामी ..... मुझसे कहकर जाते।

रे मन, आज परीक्षा तेरी ..... परीक्षा तेरी।

3. जयशंकर प्रसाद -

बीती विभावरी जाग री (लहर से)

अरुण, यह मधुमय देश हमारा *(चंद्रगुप्त नाटक से)*

कामायनी - चिंता एवं श्रद्धा सर्ग - सम्पूर्ण

4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -

तुम और मैं

संध्या सुंदरी

तोड़ती पत्थर

भिक्षुक

तुलसीदास - वह आज हो गई ..... पुष्कल रवि रेखा

तृतीय इकाई

5. सुमित्रानंदन पंत -

मौन निमंत्रण

प्रथम रश्मि

नौका विहार

6. महादेवी वर्मा -

कह दे माँ अब क्या देखूँ

मैं नीर भरी दुःख की बदली

मधुर - मधुर मेरे दीपक जल
जाग तुझको दूर जाना

7. रामधारी सिंह 'दिनकर' -

जनतंत्र का जन्म

कुरुक्षेत्र - तीसरा एवं छठा सर्ग (सम्पूर्ण)

8. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'-

यह दीप अकेला
बावरा अहेरी
कलगी बाजरे की
साँप
हीरोशिमा

चतुर्थ इकाई

9. नागार्जुन -

अकाल और उसके बाद

कालिदास

मेरी भी आभा है इसमें

उनको प्रणाम

10. गजानन माधव 'मुक्ति बोध' -

जन जन का चेहरा एक
शून्य
भूल गलती

11. धूमिल -

प्रौढ़ शिक्षा
मोची राम

12. दुष्यंत कुमार -

भूख है तो सब्र कर .....
हो गई है पीर पर्वत सी .....
यह जो शहीद हैं .....
बाढ़ की संभावनाएँ .....